

एम0ए0 तृतीय-सत्र.

(वैकल्पिक-1)

सिद्धान्तज्योतिष

SIDHANTJYOTISH

70+30=100 पूर्णांक

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा।

10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

खण्ड – 1 सिद्धान्तशिरोमणि गणिताध्याय – आदि से ग्रहानयनाध्याय पर्यन्त

खण्ड – 2 कक्षाध्याय से मध्यमाधिकार पर्यन्त

खण्ड – 3 स्पष्टाधिकार 1 से 38 श्लोकपर्यन्त

खण्ड – 4 स्पष्टाधिकार 39 से 77 श्लोकपर्यन्त

खण्ड – 5 पर्वसम्भवधिकार, चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण

सन्दर्भग्रन्थ :

1. सिद्धान्तशिरोमणि-गणिताध्याय-भास्कराचार्य-व्याख्या गिरिजाप्रसाद
2. सिद्धान्तशिरोमणि-भास्कराचार्य-टीकाकार मुरलीधर ठक्कर, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
3. सचित्र ज्योतिषशिक्षा – गणित खण्ड प्रथम बी0ए0 ठाकुर
4. सिद्धान्तशिरोमणि-डॉ0 सत्यदेव शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

अर्जिताधिमार